संस्कृत साहित्य

(248)

शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र

पूर्णांक-20 अंक

निर्देश: 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न पत्र के दाहिनी तरफ अंक दिये गए है।
2. उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखना है।

1. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2

   (क) 'केयूरा न .....भूषणम्' इस श्लोक को पूरा लिखते हुए अन्वय और व्याख्या कीजिए। (पाठ-1)

   (ख) 'सुभाषितानि' पाठ के अनुसार विद्या के महत्त्व को अपने शब्दों में लिखिए। (पाठ-1)

2. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2

   (क) 'अहं तावत वैश्य:.....सुतया दोलारूढ़: इवा भावतु' इस गद्य को पोरा लिखते हुए सरलार्थ लिखिए। (पाठ-4)

   (ख) 'वेतालपंचविंशति-1' पाठ में वर्णित दूसरी कथा का सार लिखिए। (पाठ-4)

3. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2

   (क) पंचतंत्र पाठ में आए 'मूर्खों का कहीं आदर नहीं होता' भाग का सार लिखिए। (पाठ-7)

   (ख) पंचतंत्र ग्रंथ का परिचय लिखिए। (पाठ-7)

4. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- 4

   (क) राम और हनुमान के प्रथम मिलन को अपने शब्दों में लिखिए। (पाठ-12)

   (ख) 'रामायण- राम और हनुमान का संगम' पाठ में से किन्हीं पाच श्लोकों को लिखते हुए व्याख्या कीजिए। (पाठ-12)

5. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- 4

   (क) 'हनुमान द्वारा राम लक्ष्मण प्रशंसा' नमक पाठ का सार लिखिए। (पाठ-13)

   (ख) कर्णभार नाटक के पत्रों का परिचय देते हुये 'कर्ण का परिताप' का सार लिखिए। (पाठ-16)

6. निम्न में से किसी एक विषय पर एक परियोजना का निर्माण कीजिए- 6

   (क) नाटक की परिभाषा देते हुए 'अस्त्र का वृतांत्त'- इस नाटक में आए श्लोक्न की व्याख्या कीजिये। (पाठ-17)

   (ख) 'कवच कुंडल दान' पाठ का सार अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए। (पाठ-18)